

| رقم الصفحة | رقم الآية | السورة | الآية |
|---------------|--------------|-----------|--|
| 218 | 22 | الكهف | ﴿ثلاثة رابعهم كلهم﴾ |
| 219 هـ | 73 | المائدة | ﴿لقد كفر الذين قالوا إن الله ثالث ثلاثة﴾ |
| 219 هـ | 40 | التوبة | ﴿إذ أخرجنا الذين كفروا ثاني اثنين﴾ |
| 220 | 22 | ص | ﴿إذ دخلوا على داود﴾ |
| 221 | 19 | الحج | ﴿هذان خصمان اختصموا في ربهم﴾ |
| 221 | 9 | الحجرات | ﴿وإن طائفتان من المؤمنين اقتتلوا﴾ |
| 222 | 32 | الإسراء | ﴿ولا تقربوا الزنى﴾ |
| 222 | 35 | البقرة | ﴿ولا تقربا هذه الشجرة﴾ |
| 227 | 14 | الحجرات | ﴿قالت الأعراب﴾ |
| 227 | 113 | البقرة | ﴿قالت النصارى﴾ |
| 228 | 83 | البقرة | ﴿قولوا للناس حسنى﴾ ⁽¹⁾ |
| 229 | 6 | المنافقون | ﴿سواء عليهم استغفرت لهم...﴾ |
| 240 | 21 | الإنسان | ﴿عاليم ثياب سندس خضر واستبرق﴾ |
| 249 | 15 | الفجر | ﴿ربي أكرم﴾ |
| 249 | 16 | الفجر | ﴿ربي أهان﴾ |
| 253 | 6 | الأحزاب | ﴿النبي أولى بالمؤمنين من أنفسهم﴾ |
| 253 | 6 | الأحزاب | ﴿وأولوا الأرحام بعضهم أولى ببعض﴾ |
| 253 | 17 | الأعلى | ﴿والآخرة خير وأبقى﴾ |

(1) «حسنا».